सकारात्मक सोच उत्तराखंड के विकास के लिए आवश्यक

- दून विवि में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में जुटे शिक्षाविद व विज्ञानी
- इंडस्ट्रियल रोड मैप आफ उत्तराखंड विजन 2025 विषय पर रखे विचार

जागरण संवाददाता, देहरादून : इंडस्ट्रियल रोड मैप आफ उत्तराखंड विजन 2025 विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी दून विश्वविद्यालय में प्रारंभ हुई। बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) का संदेश दून विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल ने पढ़ा। अपने संदेश में राज्यपाल ने कहा कि सकारात्मक सोच, विचार और अवधारणा उत्तराखंड के विकास के लिए आवश्यक है।

शुक्रवार को दून विवि के नित्यानंद सभागार में आयोजित संगोष्ठी के पहले दिन दून विवि की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल बताया कि संगोष्ठी में जिसमें दो दिनों में छह सत्र आयोजित होंगे। जिसके अंतर्गत गवर्नेंस क्षेत्र, विनिर्माण, मानव संसाधन विकास, पर्यावरण, जीवन शैली, पर्यटन को सेवा क्षेत्र से जोड़ने आदि विभिन्न आयामों से जुड़े पत्रों के द्वारा शोधार्थी अपने विचारों को व्यक्त करेंगे। उन्होंने बताया कि इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में विभिन्न संस्थानों के शोधार्थी अपने उत्कृष्ट शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। संगोष्ठी के मुख्य समन्वयक प्रो. अविनाश चंद्र जोशी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य उत्तराखंड से संबंधित इंडस्ट्रियल रोड मैप को विकसित करने की है। इंडियन सोसाइटी फार ट्रेंनिंग एंड डेवलपमेंट की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनीता चौहान ने विकास में प्रशिक्षण के महत्व पर विस्तार से चर्चा की और उन्होंने कहा कि इसके लिए उत्तराखंड का वातावरण अनुकूल है।

उत्तराखंड मानव संसाधन कौशल विकास प्रशिक्षण की दरक़ार : कुलपति

यूटीयू के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने कहा कि उत्तराखंड शिक्षा के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड मानव संसाधनों से भरा हुआ है इसीलिए उन्हें सही कौशल विकास एवं प्रशिक्षण दिए जाने के लिए हर क्षेत्र में प्रयास किए जाने चाहिए।